सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 8 • अंक: 278 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शनिवार, 19 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

वह व्यक्ति हमेसा खुद अकेला पाता है जो लोगों के लिए जुबान पर कुछ और दिल में कुछ और ही रखता है।

-गुरु गोविन्द सिंह

जिद...सच की

सांसदों को भारी पड़ेगा राज्यसभा... 8
साढ़े चार दशक में पहली बार... 3
मैं नए जमाने का अभिमन्यु... 7

गुजरात चुनाव का साइड इफेक्ट

जेल में मसाज कराते केजरीवाल के मंत्री का हो गया स्टिंग ऑप्रेशन

» सत्येंद्र जैन कहने को आम आदमी पार्टी के नेता, जेल में हो रही वीआईपी खातिरदारी

» तिहाड़ जेल के सुपरिन्टेंडेंट अजीत कुमार सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन फिर विवादों में हैं। इस बार तो सोशल मीडिया पर सत्येंद्र जैन को लेकर किए गए स्टिंग ऑप्रेशन से सवाल उठे हैं कि भ्रष्टाचार के मामलों में जेल में बंद मंत्री को आम कैदियों की तरह क्यों नहीं रखा जा रहा है। एक मंत्री यदि जेल में होते हुए बिसलेरी का पानी पिये, उसको मसाज देने के लिए दो तीन लोगों को स्टाफ मौजूद रहे तो सवाल उठेगा कि यह जेल है या रिसॉर्ट। कहने को सत्येंद्र आम आदमी पार्टी के नेता हैं लेकिन देखिये वीडियो में कैसे उनकी वीआईपी खातिरदारी हो रही है।

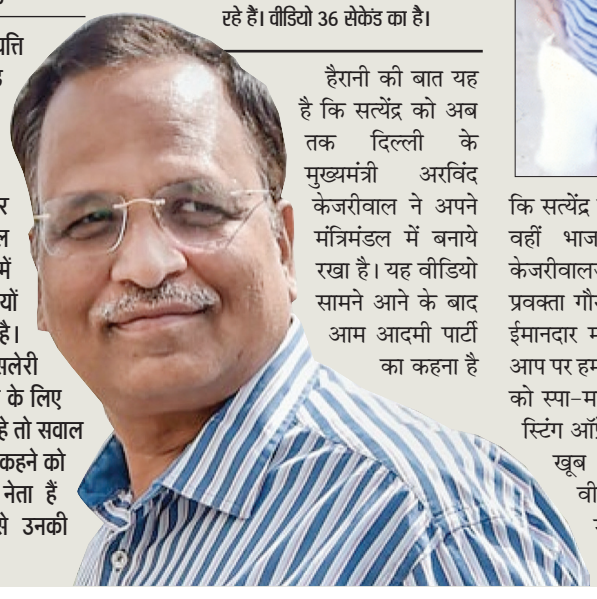

चार वीडियो आए हैं सामने

दिल्ली की तिहाड़ जेल से सत्येंद्र जैन के चार वीडियो सामने आए हैं। इन्हें सीसीटीवी फुटेज बताया गया है। इन वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि एक शख्स सत्येंद्र जैन की फुट, हेड और बॉडी मसाज कर रहा है। ईडी ने भी कुछ समय पहले आरोप लगाया था कि तिहाड़ जेल में सत्येंद्र जैन को वीवीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। ये वीडियो 13 से 21 सितंबर के बीच के बताए जा रहे हैं। वीडियो 36 सेकेंड का है।

हैरानी की बात यह है कि सत्येंद्र को अब तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने मंत्रिमंडल में बनाये रखा है। यह वीडियो सामने आने के बाद आम आदमी पार्टी का कहना है कि सत्येंद्र जैन को थैरेपी दी जा रही थी तो वहीं भाजपा ने सवाल पूछा है कि केजरीवालजी आप कहां छिप गए हैं? भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा है कि कट्टर ईमानदार मसाज करवा रहे हैं। भाटिया ने आप पर हमला बोलते हुए आम आदमी पार्टी को स्पा-मसाज पार्टी कहा। यही नहीं, इस स्टिंग ऑप्रेशन का असर गुजरात चुनाव में खूब दिख रहा है। सत्येंद्र को वीवीआईपी ट्रीटमेंट देने के आरोप में जेल के सुपरिन्टेंडेंट अजीत को सस्पेंड कर दिया गया है।

वीडियो के सामने आने से गुजरात में आप को नुकसान

गुजरात चुनाव में आप ईमानदारी को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बता रही है। भाजपा अब तक लगातार इसी पर चोट करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन इसका कोई ठोस सबूत सामने नहीं आ पा रहा था। जो भी आरोप भाजपा ने लगाए, आप ने उसी मजबूती से उन्हें खारिज किया और उलटा भाजपा पर आरोप गढ़ने का आरोप मढ़ दिया। इस वीडियो से आप की छवि को सीधे नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि इसे नकारना आसान नहीं। 10 दिन बाद गुजरात में पहले चरण की वोटिंग है।

डॉक्टरों की सलाह पर फिजियोथैरेपी ले रहे : सिसोदिया

वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तुरंत सत्येंद्र जैन के पक्ष में सामने आए। उन्होंने कहा कि जैन बीमार हैं और डॉक्टरों की सलाह पर फिजियोथैरेपी ले रहे हैं। सिसोदिया ने आरोप लगाया है कि बीजेपी गुजरात व एमसीडी चुनाव जीतने के लिए नीचता पर उतर आई है। सिसोदिया ने कहा है कि जेल में गिरने की वजह से सत्येंद्र को रीढ़ की हड्डी में चोट आई थी। उनको अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उनकी सर्जरी हुई थी और डॉक्टर ने उनको नियमित फिजियोथेरपी की सलाह दी थी। सिसोदिया ने कहा कि कोर्ट ने ईडी को इस वीडियो को जारी नहीं करने के आदेश भी दिए थे लेकिन फिर भी यह वीडियो जारी किया गया।

काशी तमिल संगमम में दक्षिण भारत के रंग में रंगे पीएम मोदी

संगमम समारोह का शुभारंभ, सीएम योगी भी पहुंचे वाराणसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी में एक माह तक चलने वाले काशी तमिल संगमम समारोह का शुभारंभ आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। उद्घाटन समारोह से पहले पीएम मोदी ने तमिलनाडु से पधारे शैव मठाधीशों (धीनम) के समूह से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर काशी तमिल संगमम पर आधारित लघु फिल्म के अलावा काशी-तमिल को जोड़ने वाली दो पुस्तकों का विमोचन भी किया। बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल मुरुगन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सांसद इलैयाराजा, केंद्रीय शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई गणमान्य हस्तियां मौजूद हैं। बता दें कि बीएचयू में काशी तमिल संगमम के लिए पीएम मोदी ने खास ड्रेस पहनी है। उनके पहनावे ने सभी का ध्यान खींचा। प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु की पारंपरिक वस्त्र (सफेद शर्ट और लुंगी) धारण किया है। कांधे पर गोल्डेन-व्हाइट गमछा रखा है। इस मौके पर मोदी ने तमिलनाडु से आए छात्रों से संवाद किया। काशी-तमिल संगमम में शामिल होने पहले दल में 216 मेहमान शामिल हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है। उत्तर और दक्षिण की संस्कृति को एकाकार करने वाले काशी-तमिल संगमम का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने किया। मुख्य आयोजन बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान में है। पीएम मोदी पंडालों का अवलोकन करेंगे और तमिलनाडु से आए अधीनम और कलाकारों से भी रूबरू होंगे।

आगामी चुनाव को लेकर पुलिस कर्मचारियों के अवकाश पर रोक

» एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने जारी किया पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पुलिसकर्मियों के अवकाश पर रोक लगा दी गई है। यह रोक आने वाले चुनावों को देखते हुए लगाई गई है। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार की ओर से जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि आने वाले दिनों में प्रदेश में लोकसभा और विधान सभा के उपचुनाव हैं। इसके अलावा निकाय चुनावों के लिए भी जल्द तिथि घोषित होने की उम्मीद है।

ऐसे में पुलिस कर्मियों के अवकाश पर रोक लगाई जाती है। किसी विशेष परिस्थितियों में ही अवकाश स्वीकृत किए जाएंगे। इस संबंध में एडीजी ने डीजीपी के अनुमोदन से सभी अफसरों को पत्र भेजा गया है। बता दें कि यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है। जब भी चुनाव संबंधी प्रक्रिया होती है तो संभवत: अवकाश निरस्त ही माने जाते हैं।

डिंपल के लिए सैफई परिवार की तीन पीढ़ियां मांग रहीं वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मतदाताओं के लिए मैनपुरी लोकसभा सीट का चुनाव भले ही उपचुनाव हो, लेकिन इस चुनाव से समाजवादी पार्टी की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। सपा इसे नेताजी की विरासत वाली सीट बता रही है। यही कारण है कि मुलायम परिवार की तीन पीढ़ियां नेताजी की बहू एवं सपा प्रत्याशी डिंपल यादव को विजयश्री दिलाने के लिए चुनाव प्रचार में जुट गईं हैं।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में गांव-गांव, घर-घर जाकर सैफई परिवार के लोग वोट की अपील कर रहे हैं। मैनपुरी लोकसभा सीट पर पांच दिसंबर को उपचुनाव होगा। नामांकन प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। मुकाबला सपा और भाजपा के बीच माना जा रहा है। प्रत्याशी डिंपल यादव को जिताने के लिए सैफई परिवार पूरी दमखम से चुनाव मैदान में उतरा है। बात नेताजी और सपा की पार्टी की प्रतिष्ठा से जुड़ी है, इसलिए मुलायम सिंह की तीन पीढ़ियां बहू डिंपल यादव के लिए वोट मांग रहीं हैं। चुनाव प्रचार करने वालों में मुलायम सिंह यादव के भाई अभयराम यादव, चचेरे भाई प्रो. रामगोपाल यादव के अलावा बेटे अखिलेश यादव, भतीजे धर्मेंद्र यादव व पौत्र तेजप्रताप यादव शामिल हैं। साथ ही बीस से अधिक पूर्व मंत्री, विधायक और पार्टी नेता गांव-गांव जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बड़े राजनीतिक परिवार के रूप में सैफई परिवार को माना जाता है। बावजूद इसके एक व्यक्ति इस परिवार का ऐसा भी है, जो हमेशा राजनीति से दूर रहा। यह व्यक्ति और कोई नहीं बल्कि नेताजी के छोटे भाई और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के पिता अभयराम यादव हैं।

जो राजनीति से रहे दूर, वो भी प्रचार में उतर आए

अखिलेश भी कर रहे पत्नी के लिए प्रचार

नेताजी के निधन से पहले हुए उपचुनाव में अखिलेश ने प्रचार नहीं किया था। अखिलेश यादव आजमगढ़ की लोकसभा सीट पर प्रचार किए और रामपुर की लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में प्रचार किए थे। सपा के जानकार मानते हैं कि नेताजी के निधन के बाद अखिलेश ने पहले उपचुनाव में प्रचार करने का फैसला किया है। फिलहाल पारिवारिक खींचतान के बीच अखिलेश ने पत्नी डिंपल को चुनाव जिताने के लिए मैनपुरी में डेरा डाल रखा है।

रघुराज के लिए खुद को साबित करने की चुनौती

कभी शिवपाल यादव के करीबी रहे रघुराज सिंह शाक्य को बीजेपी ने डिंपल यादव के सामने उतार दिया है। फिलहाल बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य रघुराज सिंह शाक्य के नामांकन में मैनपुरी में मौजूद रहने वाले हैं। ऐसे में भाजपा ने पूरी ताकत के साथ प्रचार करने और सीट जीतने का दावा शुरू कर दिया है। लेकिन कभी सपाई रहे रघुराज सिंह शाक्य कितने वोट बीजेपी के मूल वोट से अलावा पाते हैं।

सांस्कृतिक विरासतों की रक्षा करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य: डॉ. सनोबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तत्वावधान में आज विश्व धरोहर सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भारत में विश्व धरोहर स्थलों /स्मारकों के साथ लखनऊ मंडल के स्मारकों की विशेष झलक के शीर्षक पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन लखनऊ के संरक्षित स्मारक जनरल कोठी में किया।

इस आयोजन की मुख्य अतिथि लेखक, इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के उपरान्त छायाचित्र प्रदर्शनी का उदघाटन कर शुभारंभ किया। महाराजा बिजली पासी के इतिहास विभाग एवं एनसीसी के छात्रगणों ने जनरल कोठी परिसर में ही भारतीय पुरातत्व सर्वे के द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया एवं पुरस्कार प्राप्त किए। इस अवसर पर डॉ. हैदर ने छात्रों एवं भारतीय पुरातत्व सर्वे के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को संबोधित करते हुए अपने स्मारकों एवं सांस्कृतिक विरासतों की रक्षा करने की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए संवैधानिक प्राविधानों का उल्लेख किया और बताया कि सांस्कृतिक विरासतों की रक्षा करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है, एवं इसके लिए किसी दिवस विशेष की आवश्यकता नहीं होती, वरना ये हर दिन, हर समय हम सभी को जागरूक रहने की आवश्यकता है। इस अवसर पर डॉ. हैदर ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को अपने द्वारा लिखित पुस्तक छतर मंजिल, ए पैलेस बाय द रिवर भेंट की।

आप 10 दिनों में यूपी में करेगी 800 कार्यकर्ता सम्मेलन

» प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार को उजागर करेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) इस महीने 10 दिनों में 800 कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करेगी। निकाय चुनावों को मजबूती के साथ लड़ने के लिए उसने कमर कस ली है। पार्टी के 77 पदाधिकारियों को इसका जिम्मा दिया गया है। कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से पार्टी से लोगों को जोड़ा जाएगा।

वहीं नगर निगमों, नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर किया जाएगा। निकाय चुनावों के लिए गठित राज्य कमेटी के अध्यक्ष सभाजीत सिंह कहते हैं कि नगर निगमों में विधानसभा क्षेत्र वार सम्मेलन होंगे और इसके अलावा सभी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों

में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 20 से 30 नवंबर तक यह सभी सम्मेलन प्रदेश भर में आयोजित किए जाएंगे। पार्टी के जिन 77 पदाधिकारियों को इसका जिम्मा दिया गया है, वह अब जिलावार टीमें गठित करेंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से घर-घर केजरीवाल के विकास माडल को पहुंचाया जाएगा। सभाजीत ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए यूपी में पेयजल व गंदगी इत्यादि से जुड़ी लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

सत्तापक्ष का होता है उपचुनाव, मैनपुरी में होगा कड़ा मुकाबला: ओपी राजभर

» कहा, वोट के लिए जनता सहानुभूति में नहीं फंसती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के बारे में कहा कि हम छमाही परीक्षा दे रहे हैं। हम जीतने के लिए चुनाव नहीं लड़ रहे हैं इसलिए लड़ रहे हैं कि हमने जो अब तक काम किया है उसका रिजल्ट क्या है। हम यह जरूर कहेंगे कि हम इस चुनाव में तीसरे नंबर पर आएंगे।

राजभर नेशनल इंटर कॉलेज के प्रवक्ता नरसिंह पांडे के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गाजीपुर स्थित उनके आवास पर पहुंचे थे। वहीं समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'सरकार में जिस

तरह का तांडव किया है, लोगों के साथ अन्याय और अत्याचार किया है, उसका खामियाजा तो मिलेगा। नेताजी के प्रति लोगों की सहानुभूति तो है लेकिन वोट के लिए नहीं है क्योंकि जब वोट की बात आ जाती है तब उन्हें याद आती है कि यह उनकी सुरक्षा के लिए है और अधिकार देने के लिए है. वहां के लोग चर्चा करने लगे हैं। ओपी राजभर ने आगे कहा कि अगर नतीजे देखें, तो 2014 के चुनाव में माननीय नेता जी 2.5 लाख से चुनाव से जीता था। 2019 में जब सपा और बसपा का गठबंधन हुआ था, तब वह 95 हजार वोट से जीते थे. सपा गठबंधन टूट गया है। उपचुनाव सत्तापक्ष का होता है. इस 95000 वोट को घटा दीजिए और उसे बीजेपी में जोड़ दीजिए। वहीं अब्बास अंसारी के सवाल पर कहा कि वह कानूनी रूप से हमारे विधायक हैं लेकिन नेता समाजवादी पार्टी के नेता हैं यदि आपको पुष्टि करनी है तो जलालपुर चले जाइए वहां से हमारे विधायक हैं।

कॉंग्रेस बचाओ

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मेडिकल कॉलेजों में मिलेगा निजी नर्सिंग कॉलेज के छात्रों को प्रशिक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में निजी कॉलेजों से नर्सिंग में बीएससी, एमएससी व पोस्ट बेसिक बीएससी करने वाले विद्यार्थियों को अब राजकीय मेडिकल कॉलेजों में क्लीनिकल प्रशिक्षण मिलेगा। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नई गाइडलाइन तैयार की है। इससे निजी नर्सिंग कॉलेजों के करीब 12 हजार विद्यार्थियों को लाभ होगा।

प्रदेश में बीएससी नर्सिंग की 13,030, एमएससी नर्सिंग की 1,094 और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग की 2,460 सीटें हैं। इनमें से करीब 12 हजार सीटें निजी क्षेत्र के नर्सिंग कॉलेजों की हैं। इन कॉलेजों में पढ़ाई के बाद क्लीनिकल प्रशिक्षण नहीं मिलने का आरोप अक्सर लगता है। इसकी वजह अस्पतालों में सीमित संसाधन व मरीजों की संख्या कम होना बताया जाता है। वहीं, निजी नर्सिंग कॉलेज संचालक भी सरकारी अस्पतालों में क्लीनिकल प्रशिक्षण देने की मांग करते रहे हैं। ऐसे में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने क्लीनिकल प्रशिक्षण को लेकर नई गाइडलाइन तैयार की है। विभाग की विशेष सचिव दुर्गा शक्ति नागपाल ने इसे जारी करते हुए उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव प्रो. आलोक कुमार को क्लीनिकल प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक राजकीय मेडिकल कॉलेज को एक साल में करीब 300 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना होगा। निजी नर्सिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को सरकारी कॉलेजों में क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए परीक्षा देनी। एक घंटे की परीक्षा में 100 अंक के 50 प्रश्न पूछे जाएंगे।

साढ़े चार दशक में पहली बार, रामपुर के चुनाव में आजम खां परिवार से नहीं कोई कैंडिडेट

» आजम खां ने रामपुर विधानसभा सीट से 12 बार लड़ा है चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने रामपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया है। आजम खां के करीब आसिम रजा इस सीट से चुनावी मैदान में होंगे। पिछले 45 साल में ये पहली बार होगा जब रामपुर विधानसभा सीट पर आजम खां या उनके परिवार का कोई सदस्य चुनावी मैदान में नहीं है। सपा ने आजम की पत्नी तजीन फातिमा या उनकी बहू को यहां से टिकट नहीं दिया है।

हेट स्पीच मामले में आजम खां को सजा मिलने के बाद ये सीट खाली हुई है। आजम खां ने रामपुर विधानसभा सीट से 12 बार चुनाव लड़ा है जिनमें से दस बार जीत हासिल की और दो बार हार का मुंह देखना पड़ा। साल 1977 में आजम की राजनीति में एंट्री हुई थी जब उन्होंने इस सीट से पहली बार चुनाव लड़ा था। इस सीट पर उन दिनों कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था। पहले चुनाव में आजम को कांग्रेस के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 1980 से 1993 के बीच हुए पांच विधानसभा चुनावों में आजम ने लगातार जीत हासिल की। 1996 के चुनाव में उन्हें एक बार फिर कांग्रेस के अफरोज अली खां से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्हें राज्यसभा भेज दिया गया। साल 2002 से 2022 तक आजम खां ने फिर लगातार 5 बार विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की। 2019 में आजम खान के सांसद बनने के बाद हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी तजीन फातिमा ने चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। इस बीच आजम खान और उनके परिवार पर कई मुकदमे दर्ज हुए। 2014 में अखिलेश यादव सरकार में जमीन हड़पने के एक मामले में आजम की पत्नी और बेटे को जेल भी जाना पड़ा तो वहीं आजम खान पर भी कई मुकदमे दर्ज हुए और वो कई महीनों सीतापुर जेल में रहे।

इस बार आसिम रजा मैदान में

आजम खां ने सीतापुर जेल में रहते हुए ही 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत गए। पिछले दिनों हेट स्पीच मामले में आजम खां को सजा होने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। जिसके बाद इस सीट पर उपचुनाव कराए जा रहे हैं। लेकिन इस बार सपा ने यहां से आसिम रजा को मैदान में उतार दिया है। पिछले 45 सालों में ये पहली बार है जब आजम परिवार से कोई रामपुर सीट से चुनाव नहीं लड़ रहा है। बीजेपी ने आकाश सक्सेना को उम्मीदवार घोषित किया है। 5 दिसंबर को यहां उपचुनाव होंगे, जिसके नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे।

क्यों गई आजम खां की सदस्यता?

आजम खां ने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से रामपुर की मिलक विधानसभा में एक चुनावी भाषण के दौरान आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां की थीं। इसकी शिकायत भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने की थी। इसी मामले में रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट 27 अक्टूबर को अपना फैसला सुनाते हुए आजम खां को दोषी करार दिया था और तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद आजम की सदस्यता रद्द कर दी गई थी।

वोटर लिस्ट से आजम खां का नाम हटा

सपा नेता आजम खां को निर्वाचन आयोग से बड़ा झटका लगा है। वोटर लिस्ट से आजम खां का नाम हटाया गया। निर्वाचन आयोग की आरपी एक्ट की धारा 16 के तहत ये कार्रवाई हुई है। आजम 5 दिसंबर को उपचुनाव में वोट नहीं डाल पाएंगे। दरअसल, भारतीय

जनता पार्टी के प्रत्याशी आकाश सक्सेना के प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करते हुए रामपुर निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने आजम खां का नाम वोटर लिस्ट से काटने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि मोहम्मद आजम खां को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर 2000 का अर्थदंड भी लगाया है। जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी।

रूठे चाचा को मनाने में कामयाब हो गए अखिलेश

अब मैनपुरी ही नहीं निकाय चुनाव में भी दिखेगा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट जीतने में जसवंतनगर विधानसभा की अहम भूमिका को समझते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने रूठे चाचा शिवपाल को मनाने में आखिरकार कामयाब हो ही गए। चाचा के साथ आने का फायदा सपा को मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में ही नहीं, बल्कि नगरीय निकाय चुनाव में भी दिखाई देगा। सैफई का यादव परिवार एक रहा तो सपा को वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी इसका लाभ मिल सकता है। विधानसभा चुनाव में सपा से झटका खा चुके शिवपाल सिंह यादव इस बार सावधानी से कदम रख रहे हैं। उस समय शिवपाल ने केवल एक सीट पर सपा से समझौता कर अपनी पार्टी की तिलांजलि दे दी थी।

इससे उनकी पार्टी के कई प्रमुख नेता छोड़कर दूसरे दलों में चले गए थे। शिवपाल को बड़ा झटका उस समय लगा था जब सपा ने अपने विधायकों की बैठक में ही उन्हें नहीं बुलाया था। इसके बाद से शिवपाल ने अपनी राह अलग कर ली थी। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद शिवपाल सिंह यादव जिस तरह से अखिलेश यादव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे उससे लग रहा था कि दोनों के बीच रिश्ते की कड़वाहट कुछ कम होगी। लेकिन पिछले दिनों गोरखपुर में चाचा ने भतीजे पर जिस तरह से हमला बोला था, उससे साफ हो गया था कि दोनों के बीच रिश्ते अभी सामान्य नहीं हो पाए हैं। यही कारण है कि शिवपाल डिंपल के नामांकन में भी नहीं पहुंचे थे। बता दें कि अखिलेश यादव जब चाचा शिवपाल से मिलने आए तो बंद कमरे में अखिलेश, डिंपल, शिवपाल व आदित्य ही मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार शिवपाल सिंह ने अपनी पार्टी के नेताओं के सम्मान की बात कही। अखिलेश ने उन्हें भरोसा दिया कि सभी का सम्मान होगा। इसके बाद अखिलेश ने आदित्य को डिंपल के समर्थन में चुनाव प्रचार में लगने के लिए कहा।

दोनों के ट्वीट में दिखी एकता

पहले अखिलेश ने मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए ट्वीट किया... नेता जी और घर के बड़ों के साथ-साथ मैनपुरी की जनता का भी आशीर्वाद साथ है। शिवपाल ने भी करीब चार घंटे के बाद मुलाकात की दो फोटो शेयर करते हुए ट्वीट किया... जिस बाग को सींचा हो खुद नेता जी ने...उस बाग को अब हम सींचेंगे अपने खून पसीने से...। इससे साफ है कि शिवपाल ने अपना आशीर्वाद डिंपल को दे दिया है। विधानसभा चुनाव में धोखा खाने के बाद इस बार शिवपाल सिंह यादव अपने बेटे आदित्य के साथ-साथ अपनी पार्टी के प्रमुख नेताओं का भी समाजवादी पार्टी में सम्मान चाहते हैं। इसलिए मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में अखिलेश यादव की पहल का इंतजार कर रहे थे।

चाचा का आशीर्वाद मिलने से अखिलेश हुए मजबूत

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव यह अच्छी तरह जानते हैं डिंपल यादव को मैनपुरी उपचुनाव में मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत दिलानी है तो वह चाचा शिवपाल सिंह यादव के बगैर संभव नहीं है। चाचा का आशीर्वाद न मिला तो भाजपा आजमगढ़ व रामपुर लोकसभा उपचुनाव की तरह मैनपुरी में भी उसे हरा देगी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में जब बसपा व सपा ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा था उस समय मुलायम सिंह यादव भाजपा प्रत्याशी से 94,389 मतों से जीते थे। इसमें 66 प्रतिशत वोटों की हिस्सेदारी अकेले जसवंतनगर विधानसभा की थी। इसलिए अखिलेश चाचा को मनाने अपनी पत्नी डिंपल के साथ सैफई में उनके घर पहुंचे।

आखिर इतने दिनों तक चुप्पी का क्या था राज

कई दिनों की चुप्पी के बाद शिवपाल सिंह यादव ने अपने समर्थकों के साथ बैठकें शुरू कर दी ही। नामांकन के वक्त अखिलेश यादव ने उन्हें नहीं बुलाया था। इससे वह काफी दुखी थे। इसके बाद भी शिवपाल ने समर्थकों से बैठक में परिवार की एकजुटता के लिए डिंपल के पक्ष में मतदान करने की बात कही। सियासी गलियारे में नजर रखने वालों का कहना है कि शिवपाल को इसी वक्त का इंतजार था। हालांकि शिवपाल सिंह यादव की विधानसभा जसवंत नगर मैनपुरी लोकसभा सीट में आती है। सपा की तरफ से जारी की गई स्टार प्रचारकों की सूची में शिवपाल यादव शामिल हैं। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन से पहले हुए उपचुनाव में शिवपाल यादव का नाम स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं रहा। नेताजी के निधन के बाद हो रहे चुनाव में शिवपाल सिंह यादव का नाम स्टार प्रचारकों की सूची में है। चुनाव से पहले यह पारिवारिक एकता को लेकर अखिलेश का बड़ा संदेश भी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हार्दिक हो सकते हैं बेहतर विकल्प

टी-20 वर्ल्डकप में भारत की सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद सबकी नजरें बीसीसीआई पर हैं। वर्ल्डकप में हार के बाद, खासकर निशाने पर कप्तान रोहित शर्मा हैं, जिनका प्रदर्शन पूरे टी-20 वर्ल्डकप के दौरान बेहद दोयम दर्जे का रहा। रोहित शर्मा कोई भी बड़ी और जिताऊ पारी नहीं खेल सके। अब नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाएं तेज हो गई हैं। बीसीसीआई लगातार प्लेइंग इलेवन को लेकर प्रयोग करता आ रहा है। शायद यह भी टी-20 वर्ल्डकप में हार का कारण रहा है। जबकि अपनी अच्छी रणनीतियों से इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्डकप का खिताब अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड दौरे पर टी-20 और वनडे के लिए अलग-अलग कप्तान तय किए गए हैं। टी-20 की कप्तानी हार्दिक पांड्या करेंगे, जो एक हरफनमौला खिलाड़ी हैं। अपनी आक्रमक क्रिकेट के लिए जाने जाते हैं। हार्दिक के नेतृत्व में जो टीम न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी, उसमें उपकप्तान ऋषभ पंत को बनाया गया है। ऋषभ भी बीसीसीआई की कप्तान प्रयोगशाला का हिस्सा हैं। कुछ लोग ऋषभ में भारत के सफलतम कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को भी खोजने लगते हैं, पर दोनों में तुलना नहीं हो सकती है। ऋषभ की उम्र अभी काफी कम है और उन्हें क्रिकेट में एक लंबा सफर तय करना है। न्यूजीलैंड भेजी गई टीम को देखकर साफ लग रहा है कि बीसीसीआई भारत की टी-20 वर्ल्डकप में शर्मनाक हार के बाद सबक नहीं ले रही। आखिर टीम मैनेजेंट के आगे क्या मजबूरी है, जो अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर चल रहे शिखर धवन को नेतृत्व दिया जा रहा है। क्या हार्दिक को वनडे की भी कमान नहीं सौंपी जा सकती? हार्दिक लंबे अर्से से बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रहे हैं। टी-20 वर्ल्डकप में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले में टीम की जीत में उनकी भूमिका रही। हार्दिक की नेतृत्व क्षमता इंडियन प्रीमियर लीग और टीम इंडिया को लीड करने के जो मौके उन्हें मिले हैं, उसमें देखी जा चुकी है।

बीसीसीआई को अब आगे प्रयोगों से बचते हुए नया स्थाई कप्तान नियुक्त करने की आवश्यकता है। भले वो हार्दिक हो या ऋषभ पंत। कप्तान बनने के बाद रोहित शर्मा के प्रदर्शन में भी गिरावट आई है। कप्तानी से मुक्त होने पर निश्चित ही रोहित दोबारा अपने पुराने रंग में दिखेंगे। बीसीसीआई को सीनियर खिलाड़ियों की गैर हाजिरी पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, के.एल राहुल जैसे खिलाड़ी कई दौरों से गायब रहते हैं। कुछ चोटिल हो जाते हैं, जबकि इंडियम प्रीमियर लीग के दौरान उनकी उपस्थिति सौ प्रतिशत रहती है। इस बात की आलोचना अक्सर होती है और ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्डकप के दौरान इसे महसूस भी किया गया।

हार्दिक लंबे अर्से से बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रहे हैं। टी-20 वर्ल्डकप में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले में टीम की जीत में उनकी भूमिका रही। हार्दिक की नेतृत्व क्षमता इंडियन प्रीमियर लीग और टीम इंडिया को लीड करने के जो मौके उन्हें मिले हैं, उसमें देखी जा चुकी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव परिणाम के क्या है संदेश

जे सुशील

अमेरिका में मिड टर्म चुनावों के परिणामों में स्पष्टता आने में करीब एक हफ्ते का समय लगा है और इसका दोषी राजनीतिक दलों, खासकर रिपब्लिकन पार्टी, की रणनीति को ठहराया जा रहा है। मिड टर्म यानी हर दो साल पर अमेरिका के उच्च सदन (सीनेट) के कुछ सदस्यों और निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव) का कार्यकाल खत्म होता है और उन पर फिर से चुनाव होता है। इन्हें मिड टर्म इसलिए भी कहा जाता है कि चार साल पर राष्ट्रपति चुनाव होने के कारण ये चुनाव राष्ट्रपति का कार्यकाल आधा होने के बाद आते हैं। जाहिर है, इसे राष्ट्रपति के कामकाज पर टिप्पणी की तरह देखा जाता है। इस बार पहले कहा जा रहा था कि बढ़ती मंहगाई, गैस की कीमतों, बाइडेन प्रशासन से नाराजगी के कारण लाल सूनामी आयेगी यानी रिपब्लिकन पार्टी, जिसका रंग लाल है, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में भारी जीत दर्ज करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ताजा परिणाम आने तक रिपब्लिकन पार्टी निचले सदन में बहुमत के लिए जरूरी 218 सीटों से मात्र एक सीट दूर है. दूसरी तरफ सीनेट में भी कांटे का मुकाबला रहा और डेमोक्रटिक पार्टी ने एक सीट से बहुमत बनाये रखा है। जल्दी ही सभी सीटों के परिणाम आने की संभावना है, लेकिन यह माना जा सकता है कि सीनेट डेमोक्रेट पार्टी और हाउस रिपब्लिकन पार्टी के पास है। इस तरह की व्यवस्था को डिवाइडेड गवर्नमेंट कहा जाता है। भारत से तुलना करते हुए समझें, तो अगर सरकार भाजपा की है, तो मिड टर्म में राज्यसभा में उनका बहुमत है, मगर लोकसभा में किसी और दल का. अमेरिका में यह पहली बार नहीं है, जब राष्ट्रपति जिस दल का हो, उसे दोनों सदन में बहुमत न हो। कई बार तो ऐसा भी रहा है कि डेमोक्रेट राष्ट्रपति हो और दोनों सदन में बहुमत रिपब्लिकन का हो, जैसा कि क्लिंटन के कार्यकाल में लंबे समय तक रहा. वे डेमोक्रेट राष्ट्रपति थे, लेकिन 1995 के बाद 2001 तक हुए मिड टर्म चुनावों में दोनों सदनों में बहुमत रिपब्लिकन पार्टी को ही रहा। ऐसे में सरकार का काम रूकता तो नहीं है, लेकिन पेचीदा जरूर हो जाता है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि सरकार की कार्यपालिका राष्ट्रपति के हाथ में होती है, लेकिन विधायिका किसी दूसरे दल के हाथ में। फिलहाल सीनेट डेमोक्रेट पार्टी के साथ होने के कारण राष्ट्रपति बाइडेन के लिए स्थिति बेहतर कही जा सकती है. साथ ही, हाउस के चुनावों में भी आशा के विपरीत डेमोक्रेट पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

विश्लेषक इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को जिम्मेदार मानते हैं, जिसमें अमेरिका में गर्भपात को अवैध घोषित किया गया है। विश्लेषक कहते हैं कि इस मामले में डेमोक्रेटिक दल ने बिल्कुल खुल कर स्टैंड लेते हुए इसे मानवाधिकार विरोधी और स्त्री विरोधी फैसला करार दिया है। पार्टी ने कोर्ट के

इस फैसले की हर मंच से आलोचना करते हुए कहा है कि यह अमेरिकी लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन की प्रक्रिया की शुरुआत है। माना जाता है कि इस कारण बड़ी संख्या में महिलाओं ने डेमोक्रेट पार्टी को वोट दिया है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने हर राज्य को इस बाबत अपने फैसले करने का हक दिया है। इसलिए कहा जा रहा है कि आने वाले समय में अमेरिकी जनजीवन इस पर निर्भर करेगा कि आप किस राज्य में रहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हर राज्य में जो पार्टी सत्ता में है, वही ज्यादातर नियम बनाती है। अमेरिका के पचास राज्यों में से चौबीस राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर हैं और पच्चीस में रिपब्लिकन पार्टी के. पिछले चुनाव की तुलना में डेमोक्रेट पार्टी ने दो गवर्नरों का इजाफा किया और रिपब्लिकन पार्टी ने दो गवर्नर हारे हैं। इन चुनावों में कई बातें अप्रत्याशित रही हैं, जिनमें एक वोटर टर्नआउट भी रहा है। आम तौर पर मिड टर्म चुनावों में बीस से पच्चीस प्रतिशत कम वोटिंग होती है, इसलिए इस बात को लेकर डेमोक्रेट पार्टी चिंता में थी। हालांकि परिणामों से साफ है कि डेमोक्रेट पार्टी का वोट बेस बाहर निकला है वोट करने के लिए। मिड टर्म की मतगणना में संभवत: पहली बार इतनी देरी हुई है, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि में रिपब्लिकन पार्टी के बेबुनियाद आरोप रहे हैं, जो वे दो साल पहले से ही लगाते रहे हैं कि चुनावों में धांधली होती है। अमेरिका में आम तौर पर वोटिंग का एक दिन निर्धारित नहीं होता है।

वोट करने की अंतिम तारीख तय होती है और वोटर उस तारीख से पहले अलग अलग जगहों पर जाकर वोट देते रहते हैं। एक बड़ी संख्या में वोटर पोस्टल बैलेट पर मतदान करते हैं, जिनकी गिनती मतगणना के तुरंत बाद शुरू हो जाती है। इन चुनावों में धांधली की गुंजाइश के आरोपों के बाद हर पोस्टल बैलेट को एक जगह करने का फैसला हुआ, जिसके कारण गणना में बहुत अधिक देरी हुई। साथ ही, हर मतगणना में दोनों दलों का एक एक व्यक्ति नियुक्त भी खड़ा रहा। इस तरह की व्यवस्था के कारण अभी भी मतगणना का काम पूरा नहीं हुआ है। मंगलवार सुबह तक कम से कम चौदह सीटों पर रूझान भी इतने स्पष्ट नहीं थे कि कहा जा सके कि कौन सी पार्टी जीत सकती है। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीद से खराब प्रदर्शन के पीछे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी जिम्मेदार बताया जा रहा है, जिन्होंने चुनाव के दौरान कई अपने लोगों को टिकट दिलवाया था और वे अधिकतर उम्मीदवार हारे हैं। इसके बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि अमेरिका के लोग डेमोक्रेट पार्टी के समर्थन में हैं। मंहगाई को लेकर डेमोक्रेट पार्टी के पास सवालों के जवाब नहीं हैं।

चीन का नया मोहरा है तुर्किये

रवींद्र दुबे

वैश्विक परिदृश्य पर क्या चीन अपने धनबल का प्रयोग कर भारत को राजनयिक दृष्टि से अलग-थलग करने की कोशिशों में लगा हुआ है? यह प्रश्न फिलहाल राजनयिक गलियारों में बड़ी तेजी से घूम रहा है। जानकार सूत्रों के अनुसार, चीन के साथ भारत का सीमा संघर्ष पश्चिम एशिया में दो एशियाई शक्तियों के बीच व्यापक टकराव में फैल रहा है। मसलन, पश्चिम एशिया की एक और क्षेत्रीय शक्ति और खास क्षेत्रीय खिलाड़ी तुर्किये के साथ भारत के संबंध कश्मीर पर पाकिस्तान का पक्ष लेने के कारण खराब हो गए हैं। कश्मीर में भारत विरोधी प्रभाव अभियानों को बढ़ावा देने में एक और दुबई बनने के बाद तुर्किये जल्द ही भारतीय रणनीतिकारों के लिए एक और सिरदर्द पैदा कर सकता है। कश्मीर पर एक-दूसरे के साथ मतभेद होने के अलावा, तुर्किये और भारत अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच संघर्ष में विपरीत पक्षों का समर्थन कर रहे हैं। तुर्किये और पाकिस्तान विश्व मंच पर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, जैसा कि कश्मीर पर उनके इसी तरह के बयानों से देखा गया है। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति अर्दोआन द्वारा कश्मीर पर विचार करने की बात पर पलटवार किया था।

दूसरी ओर हाल ही के महीनों में चीन के साथ तुर्किये के संबंधों में सुधार हुआ है। कोविड-19 महामारी के कारण आसमान छूते बजट घाटे के कारण तुर्किये निवेश और विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चीन की ओर रुख कर रहा है। जून में तुर्किये ने 2019 में हस्ताक्षरित एक करोड़ डॉलर मुद्रा स्वैप व्यवस्था के तहत चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा दी गई 40 करोड़ डॉलर की वित्त पोषण सुविधा का उपयोग किया। तुर्किये ट्रांस-यूरेशियन कनेक्टिविटी के लिए बिल्डिंग ऐंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की महत्वाकांक्षा के एक केंद्रीय घटक के रूप में भी नजर आ रहा है, जो परिवहन, रसद, ऊर्जा और दूरसंचार क्षेत्रों में बड़े चीनी निवेश को आकर्षित कर रहा है। इसके अलावा चीन अपने शिनजियांग क्षेत्र के मूल निवासी तुर्क मुस्लिम उइगरों के लिए अंकारा के समर्थन को बेअसर करने में सफल रहा है। हाल के महीनों में तुर्किये में उइगर शरणार्थियों ने तुर्किये के अधिकारियों द्वारा बढ़ते उत्पीड़न का सामना करने की सूचना दी है। चीन के साथ भारत के बदलते भू-राजनीतिक समीकरण नई दिल्ली के लिए न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में- जिसे एशिया प्रशांत भी कहा जाता है- बल्कि पश्चिम एशिया में भी अमेरिका के साथ अधिक निकटता से गठबंधन करने की आवश्यकता को रखांकित करते हैं। नई दिल्ली को चीन के खिलाफ अपने संघर्ष में इच्छुक क्षेत्रीय भागीदारों को खोजने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में भारत की हालिया परेशानियां कम से कम कुछ हद तक पूरे क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से उपजी हैं। अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट (एईआई) के चाइना ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रैकर के अनुसार 2005 और 2019 के बीच चीन ने पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में 5,500 करो? डॉलर से अधिक का निवेश किया। एडडेटा रिसर्च लैब के आंकड़ों के अनुसार, 2004 और 2014 के बीच चीन ने इस क्षेत्र में लगभग 4,280 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता दी। क्षेत्र के कई देशों के लिए चीन उनका शीर्ष व्यापारिक भागीदार है और प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख स्रोत है। बात सिर्फ तुर्किये तक ही सीमित नहीं है। ईरान पर भी नजर रखना जरूरी है। यह संकेत इस बात से मिलता है कि चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी का ढोल पीटते हुए ईरान ने चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान से जोड़ने वाली एक रेलवे परियोजना में भारत की संभावित भूमिका को स्पष्ट रूप से रद्द कर दिया है। ईरान एक ऐसा क्षेत्रीय खिलाड़ी है, जहां भारत का प्रभाव चीन के पक्ष में घटता नजर आ रहा है। चीन के साथ ईरान की व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की खबर जनता के सामने जाहिर होने के कुछ दिनों बाद ही ईरान ने एक रेलवे लिंक के निर्माण की पहल की। यह लिंक ईरान के चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान के जेरंज प्रांत से जोड़ती है। इससे भारत को परियोजना में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए जाने की बची-खुची उम्मीद भी जाती रही। यहां यह जानना जरूरी है कि भारत ने चाबहार बंदरगाह को रणनीतिक संपत्ति के रूप में पेश किया है, जहां उसने 10 साल की अवधि में 15 करोड़ डॉलर तक का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है, जो अन्य बातों के अलावा, हिंद-प्रशांत में चीन की मोतियों की माला को टक्कर देने और ग्वादर में पाकिस्तान के चीन निर्मित बंदरगाह के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा। गौरतलब है कि चाबहार बंदरगाह ग्वादर से महज 200 किलोमीटर की दूरी पर है। तेहरान के इस कदम के वास्तविक कारण को नई दिल्ली में राजनयिक विशेषज्ञों ने ईरान पर चीन के बढ़ते प्रभाव से निरूपित किया। उनका कहना है कि चीन ने चुपचाप काम करते हुए उन्हें एक बेहतर सौदे की पेशकश की। सितंबर, 2019 के बाद से तुर्किये ने चीन के प्रमुख सहयोगी पाकिस्तान और मलयेशिया के साथ मिलकर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के भारत के फैसले की निंदा की है। भारत ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के मौके पर अंकारा के क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ कूटनीतिक रूप से बातचीत करके तुर्किये से नौसैनिक जहाजों की खरीद के लिए 232 करोड़ डॉलर के अनुबंध को रद्द कर दिया था और तुर्किये के प्रतिद्वंद्वी आर्मीनिया को सैन्य रडार के साथ आपूर्ति करने के लिए चार करोड़ डॉलर की बोली हासिल की थी।

संतान सुख, आरोग्य और जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति का व्रत है

उत्पन्ना एकादशी

उत्पन्ना एकादशी का व्रत मार्गशीर्ष माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी को रखा जाता है. ऐसी मान्यता है कि उत्पन्ना एकादशी का व्रत रखने से मनुष्यों के पिछले जन्म के पाप भी नष्ट हो जाते हैं. उत्पन्ना एकादशी व्रत के प्रभाव से जातक को संतान सुख, आरोग्य और जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है. इस बार उत्पन्ना एकादशी का व्रत 20 नवंबर को रखा जाएगा. आइए आपको इसका महत्व, पूजन विधि और मुहूर्त के बारे में बताते हैं. सालभर में कुल 24 एकादशी के व्रत पड़ते हैं. सभी एकादशियों के नाम और महत्व भी अलग अलग हैं. आमतौर पर जब किसी को एकादशी व्रत रखना होता है, तो वो किसी भी शुक्ल पक्ष की एकादशी से इस व्रत की शुरुआत कर देते हैं. लेकिन वास्तव में एकादशी व्रत की शुरुआत उत्पन्ना एकादशी से करनी चाहिए. इसे ही पहली एकादशी माना जाता है.

भगवान विष्णु की मिलेगी कृपा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, उत्पन्ना एकादशी के दिन पीले वस्त्र पहनकर चार भुजाधारी भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए और पीले फूल, केला, चना दाल, तुवर दाल, हल्दी आदि पीले रंग की चीजों को भगवान विष्णु को अर्पित करें। पूजन के बाद इन सभी चीजों का गरीबों में बांट दें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और कर्ज से धीरे-धीरे मुक्ति मिल जाती है।

इस उपाय से बढ़ेगी सुख-समृद्धि

उत्पन्ना एकादशी रविवार को है इसलिए इस दिन तुलसी के पत्ते ना तोड़ें लेकिन सायंकाल के समय तुलसी के सामने घी का दीपक जलाएं और नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जप करते हुए 11 परिक्रमा करें। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही इस दिन कथा सुनने व पढ़ने मात्र से सभी तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है।

होगी लक्ष्मी प्राप्ति

उत्पन्ना एकादशी के दिन सुबह विधिवत पूजा-अर्चना करें और रात के समय प्रतिमा या फोटो के सामने 9 बत्तियों का दीपक जलाएं। इसके अलावा एक अखंड दीपक जलाएं, जो पूरी रात जलें। इसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के 108 नामों का जप करें। माना जाता है कि ऐसा करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

उत्पन्ना एकादशी के दिन एक लोटे पानी में थोड़ी चीनी मिला लें और उसे पीपल के पेड़ पर अर्पित करें और फिर सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इसके बाद शाम के समय पीपल के पास घी का दीपक जलाएं। मान्यता है कि पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना गया है। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और धन संबंधित समस्या भी दूर होती है।

पूरी होंगी सभी इच्छाएं

उत्पन्ना एकादशी के दिन भगवान विष्णु का दक्षिणावर्ती शंख में कच्चे दूध और केसर से अभिषेक करें। इसके बाद नारियल और बादाम का भोग लगाएं और फिर ऐसा लगातार 27 एकादशी तक करते रहें। ऐसा करने से विशेष शुभ फल की प्राप्ति होती है और भक्त की सभी इच्छाएं पूरी होती है। भोग लगाने के बाद नारियल और बादाम को बच्चों में बांट दें।

हंसना मना है

पतिः मुझे समझदार औरत से शादी करनी चाहिए थी पत्नीः समझदार औरत तुमसे कभी शादी नहीं कर सकती। पतिः मुझे बस यही साबित करना था।

पिताजीः कहां हो बेटे? चिंटूः हॉस्टल में पढ़ रहा हूं, एग्जाम बहुत नजदीक हैं, इसलिए बहुत पढ़ना पड़ता है! आप कहां हो? पिताजीः ठेके पे... तेरे पीछे लाइन में लास्ट में खड़ा हूं, एक हाफ मेरा भी ले लेना।

एक बार एक चींटी हाथी की पीठ पर बैठकर कहीं जा रही थी, रास्ते में एक कच्चा पुल आ गया चींटी ने पूछा- भाई, ये पुल पार कर लेगा या मैं उतर जाऊं?

टीकूः खाली पेपर को बार-बार चूम रहा था। मीकूः यह क्या है? टीटूः मेरी महबूबा है। मीकूः मगर ये तो खाली पेपर है। टीकूः हां, आजकल बोलचाल बंद है।

एक बार 5 डॉक्टरों ने मिलकर एक बड़े हाथी का ऑपरेशन किया, ऑपरेशन करने के बाद बड़े डॉक्टर ने कंपाउंडर से कहाः देखो कोई औजार तो नहीं छूट गया पेट में, कंपाउंडर बोलाः औजार तो सब हैं, लेकिन डॉक्टर गुप्ता नहीं दिखाई दे रहे!

जीजा और साला आपस में बात कर रहे थे सालाः जीजा जी, मुझे शादी नहीं करनी मुझे सभी औरतों से डर लगता है! जीजाः अरे साले जी कर लो शादी! फिर एक ही औरत से डर लगेगा,बाकी सब अच्छी लगेंगी।

कहानी — हाथी भगवान

एक दिन पारवती माता स्नान करने के लिए गयी लेकिन वहां पर कोई भी रक्षक नहीं था। इसलिए उन्होंने चंदन के पेस्ट से एक लड़के को अवतार दिया और उसका नाम रखा गणेश। माता पारवती नें गणेश से आदेश दिया की उनकी अनुमति के बिना किसी को भी घर के अंदर ना आने दिया जाये। जब शिवजी वापस लौटे तो उन्होंने देखा की द्वार पर एक एक बालक खड़ा है। जब वे अन्दर जाने लगे तो उस बालक नें उन्हें रोक लिया और नहीं जाने दिया। यह देख शिवजी क्रोधित हुए और अपने सवारी बैल नंदी को उस बालक से युद्ध करने को कहाँ। पर युद्ध में उस छोटे बालक नें नंदी को हरा दिया। यह देख कर भगवान शिव जी नें क्रोधित हो कर उस बाल गणेश के सर को काट दिया। अब माता पारवती वापस लौटी तो वो बहुत दुखी हुई और जोर-जोर से रोने लगी। शिवजी को जब पता चला की वह उनका स्वयं का पुत्र था तो उन्हें भी अपनी गलती का एहसास हुआ। शिवजी नें पारवती को बहुत समझाने का कोशिश किया पर वह नहीं मानी और गणेश का नाम लेते लेते और दुखित होने लगी। अंत में माता पारवती नें क्रोधित हो कर शिवजी को अपनी शक्ति से गणेश को दोबारा जीवित करने के लिए कहा। शिवजी बोले : हे पारवती में गणेश को जीवित तो कर सकता हूँ पर किसी भी अन्य जीवित प्राणी के सीर को जोड़ने पर ही। माता पारवती रोते-रोते बोल उठीः मुझे अपना पुत्र किसी भी हाल में जीवित चाहिए। यह सुनते ही शिवजी नें नंदी को आदेश दिया। जाओ नंदी इस संसार में जिस किसी भी जीवित प्राणी का सीर तुमको मिले काट लाना। जब नंदी सीर खोज रहा था तो सबसे पहले उससे एक हाथी दिखा तो वो उसका सीर काट कर ले आया। भगवान शिव नें उस सीर को गणेश के शारीर से जोड़ दिया और गणेश को जीवन दान दे दिया। शिवजी नें इसीलिए गणेश जी का नाम गणपति रखा और बाकि सभी देवताओं नें उन्हें वरदान दिया की इस दुनिया में जो भी कुछ नया कार्य करेगा पहले ! जय श्री गणेश को याद करेगा।

5 अंतर खोजें

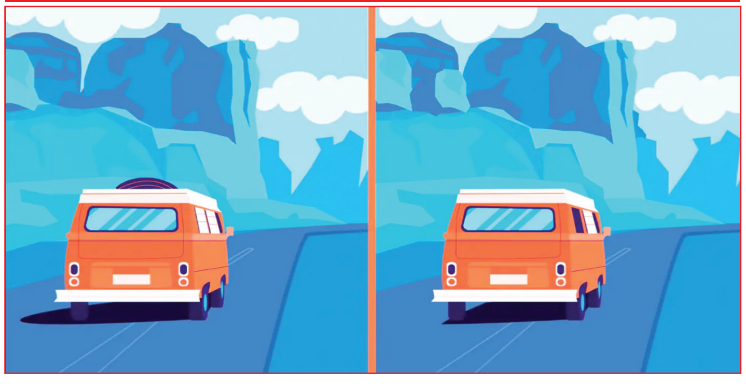

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — शारीरिक लाभ के लिए, विशेषकर मानसिक तौर पर मजबूती हासिल करने के लिए ध्यान और योग का आश्रय लें। दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नजर रखें और जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें।

वृषभ — आज आपका दिन शानदार रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा।

मिथुन — आज मिथुन राशि के लोगों का भाग खुल सकता हैं तथा सूर्यदेव की कृपा से इनकी झोली खुशियों से भर सकती हैं। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है।

कर्क — सेहत से जुड़ी समस्याएँ परेशानी दे सकती हैं। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

सिंह — आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लवमेट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। जरूरतमंद मित्रों की तरफ आप मदद का हाथ बढ़ायेंगे। आज आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

कन्या — आप बच्चों एवं परिवार को पूरा समय देंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। अपनों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

तुला — वे आर्थिक लाभ जो आज मिलने वाला था- टल सकता है। तनाव का दौर बरकरार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आपके महसूस करेंगे कि फिज़ाओं में प्यार घुला हुआ है।

वृश्चिक — आज कम मेहनत में ज्यादा फायदा होगा। समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। रूके हुए जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक शाम का प्रोग्राम बन सकता है।

धनु — आज नए क्षेत्रों में किस्मत आजमाने का मौका तलाशेंगे। नया व्यवसाय शुरू करने में आ रही अड़चने आज समाप्त होगी। अचानक आपके मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकते हैं।

मकर — हर निवेश को सावधानीपूर्वक अंजाम दें और गैर-जरूरी नुकसान से बचने के लिए उचित सलाह लेने में न हिचकिचाएँ। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है।

कुम्भ — आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। आज आप अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

मीन — आपको कार्यक्षेत्र में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। जो व्यक्ति नौकरी पेशा वाले हैं उनको पदोन्नति होने की संभावना बन रही है उधार दिया हुआ पैसा मिलने की संभावना है।

दृश्यम 2

आते ही मचाया तहलका

अजय देवगन, तब्बू और अक्षय खन्ना स्टारर दृश्यम 2 18 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। रिलीज होते ही फिल्म ने तहलका मचा दिया है। अभी तक तो मूवी की स्पेशल स्क्रीनिंग अटेंड करने वाले सेलेब्स इसकी तारीफ कर रहे थे। वहीं, अब फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने वाले दर्शक भी दृश्यम 2 को अच्छा रिव्यू दे रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों ने ट्विटर पर भी अपनी राय साझा की है। जिसके बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं। तो आइए जानते हैं फिल्म के बारे में क्या बोल रही है पब्लिक..

ट्विटर पर एक यूजर ने फिल्म के बारे में बताते हुए लिखा, दृश्यम 2 एक सिंपल ब्रिलियंट फिल्म है। एक दमदार सस्पेंस थ्रिलर जो आपको अंत तक बांधे रखेगी। अजय देवगन और अक्षय खन्ना की एक्टिंग आउटस्टैंडिंग है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, रीमेक और सीक्वल हो तो ऐसा हो, नहीं तो ना हो। दृश्यम2 ने इसे सही साबित किया! इस वीकएंड फिल्म जरूर देखें! एक ट्वीटर यूजर ने लिखा, अभी दृश्यम2 देखी। मैं इसके लिए सिर्फ एक शब्द कह सकता हूं - कड़क।

पूरी फिल्म में एक भी पल ऐसा नहीं लगा कि यह सीन जबरदस्ती डाला गया है। दृश्यम 2 में पहले पार्ट की कहानी को आगे ब?ाया गया है। अक्षय खन्ना की भूमिका ने फिल्म को और मजेदार बना दिया है। वह एक इन्वेस्टिगेटर की तरह अजय देवगन की आंखों में सच ढूंढते हुए नजर आ रहे हैं। फिल्म में अजय देवगन और अक्षय खन्ना के किरदार एक दूसरे को कांटे की टक्कर दे रहे हैं। फिल्म थ्रिलर से भरपूर है।

बॉलीवुड | मन की बात

कुछ नहीं करने पर भी एक्टर्स को मिलता है सारा क्रेडिट : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में इंडिया अपना एक नया हेयरकेयर ब्रांड लॉन्च करने आई थीं। ऐसे में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बहुत बड़ी बात कह दी। प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि लोग एक्टर्स को जरूरत से ज्यादा क्रेडिट देते हैं जबकि फिल्मों में एक्टर्स का रोल बहुत ही लिमिटेड होता है। प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि वो बेस्ट एक्टर अच्छे फिल्ममेकर्स के साथ काम करने से बनीं हैं। प्रियंका चोपड़ा ने एक्टिंग फील्ड से जुड़ा एक बहुत जरूरी फैक्ट सबके सामने लाकर रखा है। एक्ट्रेस कहती हैं कि हमेशा सारा क्रेडिट एक्टर ही ले जाते हैं। जबकि वो कुछ नहीं करते हैं। हम दूसरों के लिखे शब्द बोलते हैं। दूसरों की लिखी स्क्रिप्ट्स पर काम करते हैं, दूसरों की आवाज में गाए गए गानों पर बस लिप सिंक करते हैं। प्रियंका ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि एक्टर्स दूसरों के कोरियोग्राफ किए गए स्टेप्स पर नाचते हैं। जब हम मार्केटिंग करने भी जाते हैं तो हमसे सवाल भी दूसरे लोग आकर पूछते हैं। हमें ड्रेस पहनाने से लेकर, हमारे बालों और मेकअप का ध्यान भी दूसरे रखते हैं। ऐसे में देखें तो हम कर ही क्या रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इस पर खुलकर अपना पक्ष रखा। कहती है कि मैं हमेशा से कहती आई हूं कि एक्टर्स कुछ नहीं करते हैं। 30 सेकंड के सीन के लिए मैं कैमरे के सामने आती हूं। ऐसे में मेरा बेहद ही लिमिटेड रोल होता है। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा अपनी पहली वेब सीरीज सिटाडेल में जल्द ही नजर आएंगी। इसके अलावा वो बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा में भी काम करतीं नजर आएंगी।

पंजाब को जलाती आग का पर्दाफाश करने निकले रणदीप

बॉलीवुड | गपशप

रणदीप हुड्डा की एक खासियत रही है, कि वह बहुत आसानी से कई मुश्किल किरदारों को भी बखूबी पर्दे पर निभा जाते हैं। यही कारण है कि वह दुनियाभर के लोगों के दिलों में राज करने लगे हैं। इस बार वह अपनी नई एक्शन पैक्ड क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज कैट को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार को रणदीप ने अपने इस सीरीज का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। इस सीरीज में रणदीप को पुलिस के मुखबिर गुरनाम सिंह की भूमिका निभाते हुए देखा जा रहा है। 1 मिनट 40 सेकंड के इस ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे ड्रग्स का आग पूरे पंजाब को जला रही है। वहीं, ड्रग तस्करी के आरोप में गुरनाम के भाई को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब अपने छोटे भाई को इस मुसीबत से निकालने के लिए गुरनाम किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हो जाता है। आगे कुछ ऐसा होता है कि गुरनाम को पुलिस का मुखबिर बनने के अलावा कोई रास्ता नहीं नजर आता। हालांकि, गुरनाम के लिए ये कोई नया काम नहीं है, लेकिन वह इस काम को छोड़कर साधारण जिंदगी में लौट आया था। अब उसे एक ड्रग कार्टेल का पर्दाफाश करने के लिए फिर से आग में उतरना पड़े, लेकिन इस बार पहले से खतरा पहले से कई ज्यादा है। इस कारण गुरनाम का राजनीति, अपराध और भ्रष्टाचार की तह तक भी जाना पड़ता है। वहीं, अब ये समझना काफी दिलचस्प हो गया कि क्या गुरनाम खुद किसी के फायदे के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं? क्या इस विश्वासघात के खेल में वह अपने भाई को बचा पाएंगे? ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है।

कुर्सी-मेज नहीं, फेसबुक पर शख्स बेचने निकला 1947 में बना सेना का टैंक!

फेसबुक का इस्तेमाल लोग काफी वक्त से सामान बेचने के लिए करते थे पर जब से मार्केटप्लेस वाला कॉलम कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर शुरू किया है, तब से सामानों को बेचने की संख्या भी बढ़ गई है। पुरानी-नई कुर्सी, मेज, टीवी, फ्रिज, गाड़ी तक लोग फेसबुक मार्केटप्लेस पर बेच देते हैं। पर हाल ही में ब्रिटेन के शख्स ने सभी को तब चौंकाया जब वो फेसबुक पर पूरा का पूरा टैंक बेचने निकला। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार मैंचेस्टर, मर्सीसाइड, और स्टोक के बीच में पड़ने वाले इलाके, विन्सफोर्ड में एक शख्स ने फेसबुक पर काफी विचित्र चीज बेचने की कोशिश की। रिपोर्ट के अनुसार उसने सेना का टैंक बेचने के लिए उसकी कीमत भी तय कर दी है। शख्स इस टैंक को 3.4 लाख रुपये में बेचना चाह रहा है, ऐसे में कीमत इतनी है कि लोग आसानी से खरीद सकते हैं। शख्स ने दावा किया कि टैंक 1947 का बना है और पड़ोसियों को डराने में काफी कारगर है। जब आप टैंक की फोटो देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि ये असल में टैंक नहीं, बल्कि हथियारबंद गाड़ी है। शख्स ने फोटो के साथ लिखा कि ये आपके गार्डेन को एक अलग लुक दे सकता है या फिर कैंपिंग करने का एक ठिकाना बन सकता है। ये विचित्र सी चीज उन लोगों के लिए है जो कुछ अलग चाहते हैं। इस गाड़ी में 6 बड़े पहिए हैं और गाड़ी के ऊपर बंदूक लगी हुई है। शख्स ने कहा कि कैंपिंग पर जाने के लिए ये गाड़ी सबसे उपयुक्त है। फेसबुक पर यूं तो अब इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया है पर रेडिट पर किसी ने इसका स्क्रीनशॉट लेकर पोस्ट किया है। वैसे ये पहली बार नहीं है कि फेसबुक के मार्केटप्लेस पर किसी ने ऐसी विचित्र चीज बेची है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार इसी साल अगस्त के महीने में एक शख्स रबर का बना पुराना पैर बैच रहा था। यही नहीं कुछ लोग तो इस्तेमाल किए हुए एडल्ट टॉय तक बेच देते हैं। इसी साल सितंबर के महीने में प्लायमाउथ के एक शख्स ने अपनी पुरानी जीन्स फेसबुक मार्केटप्लेस पर बेची थी।

अजब-गजब | आजतक कोई नहीं जान पाया इनके पीछे का रहस्य

इस स्थान पर मौजूद हैं 99,99,999 मूर्तियां

हमारे देश में हजारों मंदिर है और उनकें लाखों मूर्तियां भी मौजूद है। लेकिन आज हम आपको अपने ही देश के एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें 100-200 नहीं बल्कि 99 लाख से ज्यादा मूर्तियां हैं। दरअसल, त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से करीब 145 किलोमीटर दूर उनाकोटी नाम का एक स्थान है। जहां 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियां स्थित हैं। एक ही स्थान पर इतनी मूर्तियां होने में अपने आप में किसी रहस्य से कम नहीं है क्योंकि इसके पीछे का रहस्य आज तक कोई वैज्ञानिक भी नहीं समझ पाया। यही नहीं वैज्ञानिक या शोधकर्ता जितने बार भी इसके रहस्य को जानने की कोशिश में गए वो उतना ही उलझकर रह गए। इन मूर्तियों का रहस्य इसलिए और बढ़ जाता है कि इनके न बनाने वाले का पता आज तक चला और ना ही समय के बारे में कि इन मूर्तियों को आखिर कब बनाया गया था और इन्हें बनाने के पीछे क्या रहस्य था। साथ ही इसका रहस्य इसलिए और गहरा जाता है कि ये मूर्तियां एक करोड़ में सिर्फ एक कम हैं। यानी 99 लाख 99 हजार 999 हैं। हालांकि इसके पीछे कई किवदंतियां और कहानियां प्रचलित हैं, जो हैरान करने वाली हैं। दरअसल, इस स्थान का नाम ही इन मूर्तियों की वजह से उनाकोटी पड़ा है। जिसका अर्थ होता है एक करो? में एक कम। इस जगह को पूर्वोत्तर भारत के सबसे बड़े रहस्यों में से एक माना जाता है। कई सालों तक तो इस जगह के बारे में किसी को पता ही नहीं था। हालांकि अभी भी बहुत

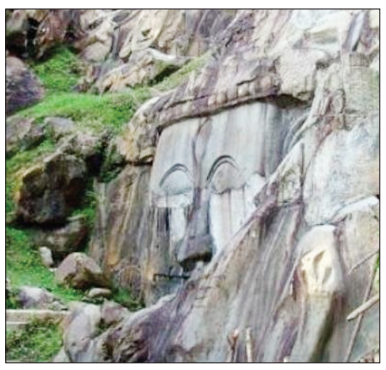

कम लोग ही इसके बारे में जानते हैं। बता दें कि उनाकोटी को रहस्यों से भरी जगह इसलिए माना जाता है कि, क्योंकि ये स्थान एक पहाड़ी इलाका है जो दूर-दूर तक घने जंगलों और दलदल से भरा हुआ है। अब ऐसे में जंगल के बीच में लाखों मूर्तियों का निर्माण कैसे किया गया होगा। जिन्हें बनाने में कई साल का वक्त लगा होगा। यही नहीं पहले तो इस इलाके में कोई नहीं रहता था इसलिए ये भी शोध का विषय है कि आखिर इन मूर्तियों को बनाया किसने होगा। ये मूर्तियां पत्थरों पर उकेरी गई हैं और तमाम मूर्तियों को पत्थरों को काटकर बनाया गया है। ये मूर्तियां हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। इनके बारे में कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक पौराणिक मान्यता के मुताबिक, एक बार भगवान शिव समेत एक करोड़ देवी-देवता कहीं जा रहे थे। रात हो जाने की वजह से बाकी के देवी-देवताओं ने शिवजी से उनाकोटी में रूककर विश्राम करने को कहा। जिसके लिए भगवान शिव मान गए, लेकिन साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सूर्योदय से पहले ही सभी को यह स्थान छोड़ देना होगा। लेकिन सूर्योदय के समय केवल भगवान शिव ही जाग पाए, बाकी के सारे देवी-देवता सो रहे थे। यह देखकर भगवान शिव क्रोधित हो गए और उन्होंने श्राप देकर सभी को पत्थर का बना दिया। इसी वजह से यहां 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियां हैं, यानी एक करोड़ से एक कम। क्योंकि भगवान शिव जाग चुके थे। ऐसे ही एक पौराणिक कथा के मुताबिक, कालू नाम का एक शिल्पकार था, जो भगवान शिव और माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत जाना चाहता था, लेकिन यह संभव नहीं था। हालांकि शिल्पकार की जिद के कारण भगवान शिव ने उससे कहा कि अगर वह एक रात में एक करोड़ देवी-देवताओं की मूर्तियां बना दें तो वो उसे अपने साथ कैलाश ले जाएंगे।

यह सुनते ही शिल्पकार जी-जान से अपने काम में लग गया और तेजी से एक-एक कर मूर्तियों का निर्माण करने लगा। उसने पूरी रात मूर्तियों का निर्माण किया, लेकिन जब सुबह गिनती की गई तो पता चला कि उसमें एक मूर्ति कम है। इस वजह से उस शिल्पकार को भगवान शिव अपने साथ नहीं ले गए। माना जाता है कि इसी वजह से इस जगह का नाम 'उनाकोटी' पड़ गया।

मैं नए जमाने का अभिमन्यु, तोड़ दूंगा बीजेपी का चक्रव्यूह: केजरीवाल

» हम भाजपा की तरह जाति वाली राजनीति नहीं करते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी चुनाव में आप को भारी समर्थन मिलने का दावा किया है। साथ ही उन्होंने बीजेपी पर जोरदार भी हमला बोला। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात चुनाव हमारी प्राथमिकता हैं। बीजेपी के लिए आप ही चुनौती है। बीजेपी ने मुझे अभिमन्यु मानकर चक्रव्यूह रचा है। मुझे चक्रव्यूह से बाहर निकलना आता है। मैं नए जमाने का अभिमन्यु हूं बीजेपी का चक्रव्यूह तोड़ दूंगा। उन्होंने कहा कि हमारी साफ नीयत की वजह से जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया है।

केजरीवाल ने कहा कि एक पत्रकार ने मुझसे ओटीपी का जिक्र किया था. ओ से यहां मतलब है ओबीसी, टी से मतलब ट्राइबल और सी से मतलब पाटीदार। हमारे जो सीएम उम्मीदवार हैं ईशुदान गढ़वी वो ओबीसी समाज से आते हैं। फिर पत्रकार ने कहा कि ट्राइबल में भी आप को भारी समर्थन मिल रहा है और पी से पाटीदार, तो जो हमारे अध्यक्ष हैं वो पाटीदार हैं। पत्रकार ने मुझसे कहा कि आप ने गुजरात में ओबीसी का फॉर्मूला दिया है, जिस पर मैंने उसे मना किया और कहा कि देखो हम जाति वाली राजनीति नहीं करते हैं। हमें ऐसा कोई फॉर्मूला नहीं आता। हमें तो सभी लोगों को फ्री में बिजली देने का फॉर्मूला पता है बस। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के लोगों ने हमें अपना परिवार माना है, जिस तरह से हमें गुजरात के लोगों का प्यार मिल रहा है उसे देखकर तो मुझे लगता है कि गुजरात में आप की सरकार बननी चाहिए बाकी जनता जनार्दन है और सब जनता के हाथ में ही है। मैंने फ्री बिजली की बात की है जो लोगों को पसंद आ रही है। दूसरी तरफ बीजेपी है वो कई सालों से सत्ता में है, जिससे उनके अंदर अहंकार आ गया है।

गुजरात की जनता बीजेपी से परेशान है। जबकि आम आदमी पार्टी लोगों को उम्मीद दे रही है, हमें गुजरात में बहुमत से ज्यादा सीटें मिलेंगी। केजरीवाल ने कहा कि राजनीति में कोई भी चीज स्थिर नहीं मानी जा सकती। उन्होंने कहा कि गुजरात में कांग्रेस को 5 से कम सीट मिलेंगी और कांग्रेस को कम सीट मिलेंगी तो वोट शेयर हमारी तरफ शिफ्ट होगा। सटीक आंकड़े तो चुनाव से 2-3 दिन पहले ही बता पाऊंगा। हां, इतरा जरूर है कि कांग्रेस खत्म हो रही है और उनके बड़े-बड़े नेता इस चुनाव में धाराशायी हो जाएंगे।

आम नौजवानों को टिकट देती है हमारी पार्टी

कांग्रेस और बीजेपी पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इनके यहां परिवार को टिकट दी जाती है। पार्टी के नेताओं के बच्चे, बीवी, रिश्तेदार चुनाव लड़ते हैं। हमारे यहां ऐसा नहीं है। हमारी पार्टी आम नौजवानों को मौका देती है। इन आम उम्मीदवारों ने बड़े-बड़े नेताओं को हराया है। यही आम आदमी की ताकत है कि वो सिंहासन हिला देता है। केजरीवाल ने कहा कि फ्री में रेवड़ियां तो सभी लोग बांटते हैं. वो लोग अमीर लोगों को रेवड़ियां बांटते हैं, मैं इस देश के गरीब और आम लोगों को रेवड़ियां बांटता हूं।

तेलंगाना सरकार गिराने के लिये भाजपा ने 'शिंदे मॉडल' के साथ रची साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता ने भाजपा पर पार्टी तोड़ने और सरकार गिराने का आरोप लगाया है। सीएम की बेटी के. कविता ने दावा किया कि भाजपा ने उन्हें तेलंगाना में 'शिंदे मॉडल' का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया।

तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य कविता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा के साथियों ने प्रस्ताव के साथ उनसे संपर्क किया। बता दें कि 'शिंदे मॉडल' एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र में शिवसेना पार्टी के अंदर फूट को लेकर जाना जाता है। पार्टी से अलग होने के बाद एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी बने। मीडिया से बात करते हुए कविता ने कहा कि भाजपा के दोस्तों और मित्र संगठनों द्वारा मुझे पार्टी में शामिल होने के लिए प्रस्ताव लाया गया। प्रस्ताव को शिंदे मॉडल कहा जाता है। मैंने कहा कि तेलंगाना के लोग अपनी पार्टियों और अपने स्वयं के नेताओं के साथ विश्वासघात नहीं करते हैं। हम अपने दम पर नेता बनेंगे, पिछले दरवाजे से नहीं जाएंगे।

गुजरात चुनाव में भाजपा ने की रोबोट की एंट्री

» बीजेपी ने अपनाया अनोखा प्रचार कैंपेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में चुनावी बिगुल बज चुका है। पहले चरण का मतदान होने में मात्र 13 दिनों का समय का रह गया है। सभी पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत इस चुनाव में झोंक दी हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए अनूठा प्रयोग किया हैं। इस बार गुजरात चुनाव में बीजेपी का प्रचार एक रोबोट के जरिए हो रहा है।

बीजेपी ने एक ऐसे रोबोट को चुनाव प्रचार में उतारा है, जिसमें बीजेपी पार्टी की गाने पहले से ही डाले हुए हैं। इसके अलावा यह रोबोट लोगों को बीजेपी का पैम्फलेट बांट रहा है। पार्टी का कहना है कि इस रोबोट को वह लोग डोर टू डोर कैंपेन के लिए भी इस्तेमाल करने वाले हैं। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव में इस आम आदमी पार्टी के आ जाने से मामला त्रिकोणीय हो गया है। बीजेपी ने इस बार अपने करीब 30 फीसदी मौजूदा विधायकों के टिकट भी काट दिये है। 182 विधानसभा सीटों वाले गुजरात में इस बार दो चरणों में मतदान होगा। 89 विधानसभा सीटों पर पहले चरण का मतदान 1 दिसंबर को होगा. बाकी दूसरे चरण का मतदान 5 दिसंबर को होगा. इस चुनाव के नतीजे तीन दिन बाद 8 दिसंबर को आएंगे। बीजेपी ने इस बार भी अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भूपेंद्र पटेल को ही बनाया है।

कैसे काम करता है रोबोट

इस रोबोट को बनाने वाले हर्षित पटेल का कहना है कि इस रोबोट में स्पीकर भी लगे हुए हैं। इस रोबोट की सहायता से विधानसभा चुनाव के कामों में काफी मदद मिलेगी। इस रोबोट में पहले से ही पार्टी के पहले से रिकॉर्ड किए हुए स्लोगन भी डाले गए हैं, जो कुछ समय के अंतराल पर बजते रहता है। बीजेपी के इस अनोखे प्रचार प्रसार के तरीके ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

जेलों में तबादला नीति पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जेल सुधार एवं तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के तबादले को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर राज्य सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा है कि सरकार यह भी बताए कि तबादला नीति को सही ढंग से लागू किया गया है या नहीं।

यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने सच्चिदानंद की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में प्रदेश की जेलों में व्याप्त भ्रष्टाचार व उसके सुधारीकरण तथा लंबे समय से जेलों में बंद कैदियों से मधुर संबंध न बन सके इसलिए तबादला होते रहने की मांग की गई है। अधिवक्ता शरदेंदु सौरभ व जयशंकर मिश्र ने याचिका पर बहस की। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि जेलों में तबादला नीति है। जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। जिस पर कोर्ट ने दो हफ्ते में सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

निकाय चुनाव में बढ़ गए करीब 95 लाख मतदाता

» कुल 4.30 करोड़ वोटर चुनेंगे शहरों की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस बार नगरीय निकायों में करीब 95 लाख मतदाता और बढ़ गए हैं। वर्ष 2017 में 3.35 करोड़ मतदाता थे, जबकि इस वर्ष 4.30 करोड़ मतदाता शहरों की सरकार चुनेंगे। प्रदेश में नगरीय निकाय भी वर्ष 2017 की तुलना में 111 नए बन गए हैं। कई नगरीय निकायों का सीमा विस्तार भी प्रदेश सरकार ने पांच वर्षों में किया है।

प्रदेश के ज्यादातर नगरीय निकायों का कार्यकाल जनवरी के पहले हफ्ते में खत्म हो रहा है जबकि कुछ का कार्यकाल 15 जनवरी तक समाप्त होना है। राज्य निर्वाचन आयोग कार्यकाल पूरा होने से पहले नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। शुक्रवार को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ। हालांकि रात 12 बजे तक डाटा फीडिंग का काम जारी रहने के कारण सही आंकड़े शनिवार शाम तक आने की उम्मीद है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद मतदाता बनने का काम एक बार फिर शुरू हो जाएगा। जितने भी नाम नए जुड़ेंगे, इन्हें अनुपूरक मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। वर्ष 2017 में 652 नगरीय निकायों में चुनाव हुआ था जबकि इस बार 763 नगरीय निकायों के चुनाव होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग को फिलहाल प्रदेश सरकार से वार्ड आरक्षण के बाद नगरीय निकायों की सूची मिलने का इंतजार है। इसके बाद ही आयोग अधिसूचना जारी करेगा। इस बार अधिसूचना दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में जारी होने की उम्मीद है।

प्रदेश के दस जिलों में बनेंगे अत्याधुनिक न्यायालय

» न्यायालयों को ई-ऑफिस के रूप में अपग्रेड करने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 10 जिलों में भव्य और अत्याधुनिक सुविधाओं वाले न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है। सीएम योगी ने आगरा, औरैया, हापुड़, कौशाम्बी, महोबा, बहराइच, चंदौली, हाथरस सहित 10 जिलों में नये न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए लोक निर्माण और नियोजन विभाग के अफसरों को 15 दिन के अंदर डिटेल प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि इन भवनों की डिजाइन न सिर्फ खूबसूरत हो, बल्कि इन्हें वर्टिकल आकर में बनाया जाए, जिससे जमीन की भी बचत हो। साथ ही इन्हें आने वाले 25 से 30 साल बाद कि जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया जाए। सीएम ने कहा है कि नये न्यायालय भवनों में न्यायाधीशों के लिए सुंदर, स्वच्छ और हवादार कमरों के साथ ही अधिवक्ताओं के लिए अच्छे चैम्बर, बड़ी लाइब्रेरी, कैंटीन, पार्किंग और सेमिनार हॉल भी निर्मित किये जाएं। निर्मित किये जाने वाले नये न्यायालय भवनों को सर्व सुविधायुक्त बनाकर इन्हें प्रदेश ही नहीं, देश में भी एक मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

न्यायालय भवनों के लिए बने तीन कैटेगरी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि देश के किसी भी न्यायालय भवन में कोई भी अच्छी व्यवस्था दिखती हो तो उसे भी आर्किटेक्चर में शामिल करें। खासकर के महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश के न्यायालय भवनों को जरूर देखें। उन्होंने नये न्यायालय भवनों के लिए तीन कैटेगरी बनाने के लिए कहा है, जिसमें 40-70 लाख की आबादी, 25-40 लाख की आबादी और 25 लाख से कम आबादी वाले जिलों के लिए अगले 25 साल की जरूरतों के हिसाब से न्यायालय भवनों की रूपरेखा तैयार की जाए। सीएम ने ये सभी काम मिशन मोड में पूरा करने के लिए कहा है, साथ ही 15 दिन के भीतर पूरी कार्ययोजना और डिजाइन प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

डीएम और कप्तान जिला जज के साथ करें नियमित बैठक

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश भी दिये हैं। उन्होंने सभी जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस कप्तानों को जिला जज के साथ नियमित बैठक करने के भी निर्देश दिये हैं। सीएम योगी ने कहा कि ये बैठकें जिला जज की अध्यक्षता में होंगी और इसमें डीएम और एसपी अथवा एसएसपी का होना अनिवार्य है।

नेताजी का सपना था- गरीब के सपने पूरे हो आपकी सेवा करना हमारा कर्तव्य : अखिलेश

» डिंपल के सारे नामांकन वैद्य, मैनपुरी सहित लखनऊ में खुशी की लहर

» उपचुनाव में राजभर को बड़ा झटका, सुभासपा प्रत्याशी का नामांकन निरस्त

4पीएम न्यूज नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। उपचुनाव की जंग तेज हो गई है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज मैनपुरी के किशनी में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के झांसे में न आए। यह पार्टी सिर्फ झूठ बोलना जानती है। जनता महंगाई से परेशान हैं, मगर यह सरकार हाथ-पे हाथ धरे बैठी है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने मैनपुरी को लेकर कई सपने देखे थे। कुछ पूरे हुए, कुछ बाकी है और बाकी सपने पूरे करना हमारा दायित्व है। आप लोग साथ दें, हर गरीब के सपने पूरे करूंगा।

उन्होंने कहा कि नेताजी के आदर्शों पर चलना है, समाजवादी पार्टी को और मजबूत करना है। गुमराह करने वाले पार्टियों से बचे। इस मौके पर डिंपल यादव ने कहा कि यह चुनाव मेरा चुनाव नहीं, नेताजी का चुनाव है। नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब आपके सपने पूरे होंगे। उधर, अभी मिली जानकारी के मुताबिक मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए किए गए 13 नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो गई है। कल से अब तक जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में तैनात अधिकारी नामांकन पत्रों की जांच में जुटे रहे। देर शाम जांच के बाद डिंपल यादव और रघुराज शाक्य समेत छह नामांकन वैध पाए गए। सुभासपा प्रत्याशी समेत सात नामांकन निरस्त कर दिए गए। वहीं डिंपल के पक्ष में किए गए नामांकन भी वैद्य पाए गए। यह खबर पाकर मैनपुरी सहित लखनऊ में सपा समर्थकों में खुशी की लहर है। बता दें कि उपचुनाव के लिए 10 नवंबर से लेकर 17 नवंबर तक जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें सपा प्रत्याशी डिंपल यादव, भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य, सुभासपा प्रत्याशी रामाकांत कश्यप समेत कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इन पत्रों की जांच कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश के नेतृत्व में अधिकारी पत्रों की जांच में जुटे रहे।

डिंपल बोलीं- यह चुनाव मेरा चुनाव नहीं, नेताजी का चुनाव है। नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब आपके सपने पूरे होंगे

मैनपुरी में नाम वापसी के लिए एक मौका और मिलेगा

उपचुनाव के लिए दाखिल जो नामांकन पत्र जांच में वैध पाए गए हैं, उन्हें नाम वापसी के लिए एक और मौका मिलेगा। आयोग के निर्देश के अनुसार 21 नवंबर तक कोई भी प्रत्याशी जिला निर्वाचन अधिकारी के सामने प्रस्तुत होकर नामांकन वापस ले सकेगा। तारीख बीतने के बाद नामांकन वापस नहीं लिया जा सकेगा।

इनका नामांकन वैध

- डिंपल यादव, सपा।
- रघुराज सिंह शाक्य, भाजपा।
- भूपेंद्र धनगर, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी।
- सुषमा देवी, निर्दलीय।
- प्रमोद यादव, भारतीय कृषक दल।
- सुरेश चंद्र, निर्दलीय।

फोटो:4 पीएम

गांधी संदेश यात्रा राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा से निकली गांधी संदेश यात्रा। यह यात्रा गांधी प्रतिमा से शुरू होकर काकोरी शहीद स्थल पर खत्म होगी।

यजदान बिल्डिंग तोड़ने की कार्रवाई शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में यजदान बिल्डिंग को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आवंटियों की तरफ से दाखिल याचिका पर लखनऊ हाईकोर्ट ने बिल्डिंग ध्वस्तीकरण पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार किया था। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से निराश आवंटियों का कहना है कि यह कार्रवाई एलडीए अपनी कमियों को छुपाने के लिए कर रहा है। एक फ्लैट मालिक का कहना है कि हमारे इसमें तीन फ्लैट थे। पैसा वापिस चाहिए। एलडीए जिम्मेदार है।

बदायूं में विश्व हिंदू सेवा दल के जिलाध्यक्ष को मारी गोली, मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बदायूं में आज सुबह हत्या का मामला सामने आया है। मूसाझाग थाना इलाके में विश्व हिंदू सेवा दल के जिलाध्यक्ष प्रदीप कश्यप (35) की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

वह थाना इलाके के गांव गिधौल के रहने वाले थे। शनिवार सुबह करीब 7:30 बजे प्रदीप अपनी कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के नजदीक रास्ते में कार रुकवा कर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसकी सूचना पर पुलिस, परिवार और गांव के तमाम लोग पहुंच गए। परिवार वालों ने गांव के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रदीप से कोटे को लेकर विवाद हुआ था।

आरोपी ने उन्हें 24 घंटे में गोली मारने की धमकी दी थी। इस संबंध में उन्होंने थाना पुलिस से लेकर अधिकारियों को भी शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई और सुबह उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने प्रदीप कश्यप के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सांसदों को भारी पड़ेगा राज्यसभा में हंगामा करना

» वेल में आए तो स्वतः निलंबन की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले कुछ सत्रों में राज्यसभा में माननीयों का हंगामा व अवरोध काफी चर्चा में रहा है। कुछ बेहद दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य भी दिखे हैं और कईयों पर सख्त कार्रवाई भी हुई है। प्रतिक्रिया में सदन बाधित रहा है। नए सभापति व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इसे अपने पहले सत्र से बदल देना चाहते हैं।

संभव है कि वेल में आते ही स्वत: निलंबन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। पिछले कुछ दिनों में अलग अलग दलों के नेताओं से उन्होंने इस बाबत चर्चा भी की है। पूरी सहमति तो अभी नहीं बनी है लेकिन बताया जाता है कि धनखड़ इसके पक्ष में हैं। राज्यसभा में हंगामे पर अंकुश लगाने की तैयारी की जानकारी हाल ही में जगदीप धनखड़ से मिले कांग्रेस और वायएसआर के सांसदों के जरिए मिली। इन सदस्यों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सभापति ने उन्हें वेल में न आने और नारेबाजी न करने को लेकर सचेत किया है। साथ ही बताया गया है कि यदि वह ऐसा करेंगे तो निलंबित कर दिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार सभापति ने पिछले हंगामे भरे सत्रों के सारे वीडियो फुटेज देखे है। साथ ही हंगामा करने वाले सदस्यों को चिन्हित भी कर लिया है। एक सदस्य के मुताबिक जब उन्होंने सभापति से खुद को हंगामे में शामिल न होने और वेल में न आने को लेकर सफाई दे रहा था, तो उन्होंने टोका और बताया कि वेल में उनके आने की फुटेज उनके पास है।

शीतकालीन सत्र पांच दिसंबर से हो सकता है शुरू

संसद का शीतकालीन सत्र वैसे तो अब तक नवंबर के तीसरे सप्ताह से शुरू हो जाता था लेकिन गुजरात विधानसभा चुनाव के चलते इस बार इस सत्र को पांच दिसंबर या फिर उसके बाद शुरू करने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक चुनाव में सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं की व्यस्तताओं के चलते सत्र को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। गुजरात विधानसभा चुनाव में मतदान एक और पांच दिसंबर को होंगे।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।